

असाधार्गा Extraordinary

nn L-un 1 PART I-Section 1

## RINGE H RELIGION OF THE PROPERTY

इस भाग में भिन्न पूळ संख्या दो जाती है जिससे कि यह असम संख्रासन के क्या में राजा का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## वाणिज्य मंत्रालय

(भायात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 252-- भाई टी सी (पी एन)/1990- 93

नई दिल्ली, 4 विसम्बर, 1991

विषय :--प्रप्रैल-- 1990 मार्च, 1993 के लिये प्रकिया पुस्तक

फा.सं. 6/129/89-ईपीसी.--वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजिनिक सूचना सं. 2-माईटीसी (पीएन)/1990-93 विनांक 30 मार्च, 1990 के अन्तर्गत प्रकाशित अप्रैल, 1990--मार्च, 1993 की यथासंगोधित प्रक्रिया पुस्तक (अप्र-1) की भीर ध्यान दिलाया जाता है।

- ंशी लोभ प्राप्त करने की पाक्षता हासिल करने
  - (i) कम्प्यूटर सापदवेगर भीर सम्बद्ध सेवामी
  - (ii) विदेशों में निर्माण कार्य भौर सिविज इंजीनियरी परियोजनाधीं के निया-सकों को ही संगत निर्मात संबर्धन परिषदों के पास नाम दन कराना होगा, जैसी कि इस पुस्तक के प्रध्याय 15 में प्रक्रिया निर्वारित की गयी है।

भ्रत्य निर्दिष्ट सेवामों के निर्यातकों के लियें फिसी भी निर्यात संवर्धन परिषद/पण्य बोर्ड के साम पंजीकरण कराना झावश्यक महीं होगा।"

पैरा 325 के नीचे तालिका में कम सं, 3 के सामने कालम "दस्तावेजीकरण" के मन्तर्गत सूचीबद्ध दस्तावेज हटा विए जाएंगे घौर उनके स्थान पर निम्नसिबित को निविष्ट किया जाएगा:--

"(1) भावेष/संथिदाया इसी प्रकार के भ्रम्य साध्य की प्रति जो की जाने बाली सेवा की किस्म निर्दिष्ट करती हो, (2) विदेशी मुद्रा आवक परेक्य प्रमाणपक्ष (एफ बाई बार सी) ब्रह्मा बैंक से विदेशी मुद्रा की प्राप्ति प्रमाणित करते हुए प्रमाणपक, (3) स्वयं निर्मातक द्वारा यह निर्विष्ट करते हुए योषणा की जाने वाली/नियति की गयी सेवा की किस्म क्या है जिसके साथ-विदेश में खर्चों के लिए रिलीज की गयी मुद्रा की राशि, विदेश शाचा करने वाले परामर्शवासाओं/विशेवकों/बन्य कार्मिकों को याजा के लिए भारत मे चुकाई गयी घनराणि का हिसाय लगाने के बाद वसूल की गयी निषल निर्यात धाय का पूरा व्यौरा हो ।"

3. 265-266 परिकिच्ट-17

- (1) कालम 10 के उप कालम (2) में उस्थिकित ";" जिन्ह से पहले "(जहां कहीं निर्धारित)" चिन्ह भीर मन्द ओड़े जाएंगे।
- (2) नासम 10 के उप कालम (3) में उल्लिखित ";" जिन्ह से पहले "झमना विदेशी म

जैसी भी स्थिति हो" सथ्य औडे जाएंगे।

- (3) कालम 10 के उप कालम (4) में उल्लिखित "ग. एक प्रमाण-पत्र" जब्दों के बाद "/स्वतः घोषणा जैसी भी स्थिति हो" चिन्ड भीर शस्य जोडे जाएंगे।
- (4) कालम 10 के उप कालम (5) में उध्यक्ति "करार" शब्द के बाद "(वहां कहीं निर्धारित)" चिन्ह भीर सन्य जोडे आएंगे।
- (5) कालम 10 के उप कालम (4) में उल्झिबित "धार सी एम सी" शब्दों के बाद "(जहां कहीं निर्धा-रित हो)" चिन्ह ग्रीर शब्द औड़ चाएंगे।

उपर्युक्त संशोधन लोकष्ठित में किये गये हैं।

₹./-

दी, भार, मेहता, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

## MINISTRY OF COMMERCE IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 252-ITC(PN)/90-93

New Delhi, the 4th December, 1991

Subject: Hand Book of Procedures for April, 1990-March, 1993.

F. No. 6/129/89-EPC. - Attention is invited to the Hand Book of Procedures for April, 1990-March, 1993 (Vol. I), published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 2-ITC (PN)/90—93 dated the 30th March, 1990 as amended.

[भाग [बायह I]		भारत का रा	पपक्षः प्रसाधारण 5				
2. The following amendments shall be made in the Hand Book of Procedures at appropriate places indicated below:—							
SI. No.	Page No. of Hand Book of Procedures, 1990—93 (Vol.	Reference  1)	Amendments				
(1)	(2)	(3)	(4)				
1.	69	CHAPTER-XVII PARA 324	The existing para 324 shall be substituted by the following:  "324. In order to be eligible to obtain benefits only the exporters of (i) Computer software and related services, (ii) Overseas construction and civil engineering projects, are required to register with the relevant E.P. Councils, as per the procedure laid down in Chapter XV of this Book. For exporters of other specified services, registeration with any E.P. Council/Commodity Board shall not be necessary."				
2.	69	CHAPTER-XVII PARA 325	The documents listed under the Col. "Documentations" against Sr. No. 3 in the table below para 325 shall be deleted and in their place following shall be inserted: "(i) Copy of the order/contract or other similar evidence indicating the type of service to be rendered. (ii) Foreign Exchange Inward Remittance Certificate (FIRC) or a certificate from a Bank certifying the realisation of foreign				

exchange, and (iii) Self-declaration of the exporter indicating the type of service rendered/exported with details of net export proceeds realised after accounting for the amount of foreign exchange realised for expenses abroad, passage money in India for consultants/experis, other personnels for travel abroad."

## 3. 265-266 APPENDIX-XVII

- (i) Before the sign ";" appearing in sub-col. (ii) of Col. 10. the sign, and words "(wherever prescribed)" shall be added.
- (ii) Before the sign. ";" appearing in sub-col. (iii) of Col. 10, the words "or a certificate from a Bank certifying the realisation of foreign exchange as the case may be" shall be added.
- (iii) After the words "C. A Certificate" appearing in sub-col (iv) of Col. 10, the sign. and words "/self declaration as the case may be," shall be added.
- (iv) After the words "agreement" appearing in subcol. (v) of Col. 10, the sign. and words "(wherever prescribed)" shall be added.

(v) After the words "RCMC" appearing in sub-col. (vi) of Col. 10, the sign, and words "(wherever prescribed)" shall be added.

3. The above amendments have been made in public interest.

Sd/-

D.R. MEHTA, Chief Controller of Imports and Exports